RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 38 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 26 फरवरी 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

आपरेशन बनभूलपुरा

अब्दुल मलिक की धाक रही है, सपा नेता जावेद भी जोश में था

घेरने और बेवकूफ बनाने की राजीनति ने खूब छकाया है

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी शहर को जलाने की साजिश को रोकने के बाद लगातार 'आरपेशन बनभूलपुरा' जारी है। कमिश्नर दीपक रावत मामले की मजिस्ट्रेट जाँच सहित हर पहलू को देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंसा मामले में कोई भी व्यक्ति अपने बयान कमिश्नर कैम्प कार्यालय में दर्ज करा सकता है। हिंसा प्रभावितों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे।

मामले में उपद्रवियों की पकड़ के साथ ही लूटे गये तमंचे और कारतूस बरामद हुए हैं। डीएम ने सख्ती करते हुए 127 शस्त्र लाइसेंस रद्द किये हैं। पुलिस ने 41 शस्त्र धारकों से असलहे जमा कर लिए हैं। सख्ती के बाद बनभूलपुरा से 300 से ज्यादा परिवार ताला लगाकर दूसरी जगह चले जाने की बात कही जा रही थी। पैरामिलिट्री की निगेहबानी में पुलिस का सर्च अभियान चला तो पता चला कई घरों में बाहर ताले लगे हैं लेकिन अन्दर लोग रह रहे हैं। पुलिस ने ऐसे करीब 40 लोगों को हिरासत में लेकर उनका फोटो और वीडियो से मिलान किया। सपा नेता अब्दुल मतीन के भाई जाबेद को भी भड़काने और दखल देने के मामले में पकड़ा है। यह परिवार वनभूलपुरा की राजनीति में अग्रणीय है। बनभूलपुरा के तमाम मामलों में इनकी अगुवाई देखी गई है। ताजा उपद्रव में जावेद का वीडियो भी वायरल हुआ है। निवर्तमान पार्षद महबूब आलम, निवर्तमान पार्षद जीशान सहित 44 से अधिक लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताते चलें कि हल्द्वानी हिंसा के दौरानं 5 लोगों की मौत हो गई थी।

लूटे गये तमंचे और कारतूस बरामद

127 शस्त्र लाइसेंस रद्द किये गये

घरों में ताला लगाकर चले गये सैकड़ों

कड़ी सुरक्षा के बीच तलाशी जारी

उपद्रवी हिम्मत नहीं करेंगे : धामी

मलिक के बगीचे पर खुली पुलिस चौकी

मलिक को भेजा 2.44 करोड़ का नोटिस

उपद्रव मामले में संपत्ति कुर्क, पोस्टर जारी

गौला नदी पंजीकृत वाहनों तत्काल निरस्त

गोली लगने से घायल जिस छठे व्यक्ति की मौत 13 फरवरी को हुई, जिसे हिंसा का शिकार बताया जा रहा था लेकिन पुलिस जाँच में पता चला कि यह मौत प्रेम प्रसंग के चलते थी जिसे चालाकी से इस प्रकरण में जोड़ा गया था। पुलिस द्वारा कार्रवाई के दौरान सरकारी व अन्य सम्पत्ति को नुकसान करने वाले उपद्रवियों की तलाश व उनकी सम्पत्ति चिन्हित की जा रही है। पुलिस द्वारा पकड़े गये लोगों को कुंवरपुर स्थित स्कूल में अस्थाई जेल में रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फिर से दोहराया है कि उपद्रवियों को छोड़ा नहीं जाएगा। कानून अपना काम कर रहा है। उपद्रवी ऐसी हिम्मत नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बनभूलपुरा में जिस जगह से अवैध अतिक्रमण हटाया गया वहाँ पर अब पुलिस थाने का निर्माण किया जाएगा। उपद्रवियों और दंगाइयों को हमारी सरकार का स्पष्ट सन्देश है कि देवभूमि की शान्ति से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा। इसके बाद पुलिस ने अतिक्रमण वाले स्थान पर तम्बू गाड़कर देखरेख पुलिस चौकी स्थापित कर दी। इसमें पैरामिलिट्री का पहरा लगाया गया है। चौकी का शुभारम्भ हिंसा में घायल महिला पुलिस कर्मियों द्वारा कराया गया। साथ ही फूंके गये बनभूलपुरा पुलिस थाने का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। दीवारों, कमरों की मरम्मत के साथ ही अन्य तैयारी की जा रही है। डीएम वन्दना सिंह ने बताया कि अतिक्रमण मुक्त भूमि पर गरीबों के बच्चों को पढ़ाने के

शेष पृष्ठ 5 पर

बागेश्वर भोटिया पड़ाव का मसला

विभिन्न संगठन एकजुट होकर आगे आए

पि.हि.प्रतिनिधि

बागेश्वर। सरस मार्केट से जोहार सासाजिक एवं सांस्कृतिक समिति का कार्यालय हटाने बाद सीमान्त क्षेत्र के संगठनों ने जिस प्रकार से एकजुटता दिखाई है वह सांस्कृतिक एकता के लिये लड़ाई मानी जा रही है। पुरानी परम्परा के अनुसार किन स्थानों पर सीमान्त व्यापारियों के पड़ाव थे, उनको संरक्षित करने की मांग की गई है। जोहार सांस्कृतिक समिति के समर्थन में जगह-जगह बैठकों के साथ समर्थन दिया जा रहा है। समिति की अध्यक्ष श्रीमती पूजा जंगपांगी ने कहा कि उनकी लड़ाई आने वाली पीढ़ी को यह बताने की है कि जो कुछ बुजुर्गों ने वर्षों तक संरक्षित किया उसे जानो। भोटया पड़ाव केवल स्थान नहीं बल्कि सदियों की परम्परा है जिसमें सामाजिक सौहार्द था। अपने हिमालय, अपनी करोबार, अपनी संस्कृति-सभ्यता की झलक रही है। यह लड़ाई जारी रहेगी।

मल्ला जोहार विकास समिति मुनस्यारी ने अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को पत्र भेजते हुए भोटिया पड़ाव बनखोला बागेश्वर को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की बात कही है। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह पांगती ने कहा कि ब्रिटिश भारत सरकार द्वारा सीमान्त क्षेत्र में रहने वाले भोटिया जनजाति के लोगों को व्यापार एवं ऊनी कुटीर उद्योग संचालन के लिये जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति को हल्द्वानी, टनकपुर और रामनगर के तहत बनखोला बागेश्वर में भी भूमि आवंटित की गई थी जिसे भोटिया पड़ाव नाम से जाना जाता है। यह स्थल सदियों से ही कब्जेदार उत्तराखण्ड के सीमान्त क्षेत्र में रहने वाले भोटिया जनजाति के लोगो का ही रहा है। भोटिया पड़ाव बनखोला बागेश्वर की कुल 7 नाली वर्ग चार की भूमि को जोहार सामाजिक सांस्कृति समिति नाम पर हस्तान्तरण हेतु वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार और शहरी विकास विभाग उत्तराखण्ड शासन को पत्र द्वारा निवेदन किया गया था और शासन ने तुरन्त इस निवेदन को संज्ञान लेते हुए रिवन्यू डिपार्टमेंट बागेश्र को उपरोक्त भूमि का प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था और एसडीएम बागेश्वर ने पत्रांक दिनांक 11 नवम्बर 2022 के तहत तहसीलदार बागेश्वर को निर्देशित किया लेकिन आज तक उपरोक्त प्रस्ताव तहसीलदार आफिस में लम्बित पड़ा है जो कि जांच का विषय है। पत्र में 6 फरवरी 2024 को हुई धक्का-मुक्की का उल्लेख करते हुए कार्यवाही करने को कहा गया है।

जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति डीडीहाट ने उक्त मामले में जिलाधिकारी पिथौरागढ़ के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। समिति के सचिव नरेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में दिये गये ज्ञापन में भोटिया पड़ाव बागेश्वर को वैधानिक संरक्षण प्रदान किये जाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा है कि प्रदेश की प्रमुख व्यापारिक जनजाति भोटिया समाज, हमारे प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न अंग आदि काल से चले आ रहे हैं और यह पूरे उत्तराखण्ड में देश-विदेश से इस समाज के द्वारा व्यावसायिक कार्य किया जाता रहा है। कालान्तर में चीन-तिब्बत-नेपाल के परम्परागत रास्तों व बीहड़ दर्रों से घोड़े-झप्पू, चंवर गाय व भेड़-बकरियों के माध्यम से ऊनी सामान, नमक, सुहागा आदि वस्तुओं का आयात-निर्यात इन्हीं के द्वारा किया जाता रहा है। इसलिये उत्तराखण्ड के प्रमुख धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भोटिया पड़ाव आज भी यत्र-तत्र विद्यमान हैं। इसी कड़ी में बागेश्वर के बनखोला

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

एन.एस.एस. का मतलब पिकनिक मनाकर डकार लेना नहीं है

राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य 'मैं' नहीं 'हम' है। साथ ही वसुन्धरा संवारने की बात इसके लक्ष्य गीत में है लेकिन एनएसएस के नाम पर होने वाले आयोजनों का सच कड़वा दिखाई दे रहा है। ऐसे में इसके फार्मूले बदलने होंगे। एनएसएस केवल मौज-मस्ती कर बजट ठिकाने लगाने का नाम नहीं है।

देश आजादी के बाद युवा शक्ति को समाज हित में लगाने के लिये जिस राष्ट्रीय सेवा योजना का गठन किया गया था, इसके परिणाम सुखद निकले और देशभर में स्कूल-कालेजों के माध्यम से शाखाएं खुलती चली गईं। देश प्रेम और अपने समाज को संवारने का जज्बा लिये एनएसएस इकाईयों ने जब गाँवों में अपने अभियान चलाए तो प्रशंसा होने लगी। एक दिवसीय शिविर के बाद विशेष शिविर में छात्र-छात्राओं द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को सराहना मिली। स्वच्छता के साथ ही शिक्षा, एकता, भाईचारा सहित समूह की भावना के इस आन्दोलन ने अपनी जगह बनाई। निश्चित धनराशि पर यह शिविर लगा करते थे। होते-होते इसमें मिलने वाली धनराशि अथाह हो चुकी और एनएसएस में प्रवेश घट गए। यही कारण है कई जगह यूनिट बन्द हुई हैं। लेकिन उनके लिये क्या कहें जो राष्ट्रीय सेवा योजना में मिलने वाली राशि पर गिद्धदृष्टि लगाए रखते हैं।

एनएसएस का मतलब पिकनिक मनाकर डकार लेना नहीं है। अनुशासन को ताक में रख मनोरंजन और कैम्प की आड़ में धनराशि पचाने वालों की जाँच होनी चाहिये। यह राष्ट्रीय अभियान है, इसका सन्देश पूरे समाज के लिये है। असल में होने यह लगा कई महाविद्यालयों की छात्र संख्या काफी घट चुकी है और वर्तमान पठन-पाठन व दिनचर्या में एनएसएस की ओर रुझान भी कम का है लेकिन इस सच को उच्चाधिकारियों को बताना छोड़ फार्म भरवाकर कागज पूरे किये जाने का खेल होने लगा है। एक दिवसीय कैम्प के मानक पूरे किये बिना उसके आई धनराशि डकारने की बात कही जाती है। ऐसे में विशेष शिविर का तो धुंआ ही निकाल दिया जाता होगा। यह सब क्या होने लगा है। ऐसी औपचारिकताएं बन्द होनी चाहिये जिसमें सीधे-साधे बच्चों को बहलाया जा रहा है। ऐसी पिकनिक और बजट चाटने वालों के कारनामे समाज हित में नहीं कहे जाएंगे। इसके लिये समाज को ही जागना होगा।

पिघलता हिमालय के स्वामित्व के सम्बन्ध में
फार्म 4
(नियम 8 देखिये)

1. प्रकाशन स्थल	:	शक्ति प्रेस, जे.के.पुरम्, सेक्टर-डी, मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)
2. प्रकाशन अवधि	:	साप्ताहिक
3. मुद्रक का नाम	:	गीता उप्रेती
(क्या भारतीय नागरिक है?)	:	भारतीय
यदि विदेश है तो मूल देश	:	
पता	:	शक्ति प्रेस, जे.के.पुरम्, सेक्टर-डी, मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)
4. प्रकाशक का नाम	:	गीता उप्रेती
पता	:	पिघलता हिमालय, जे.के.पुरम्, सेक्टर-डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)
(क्या भारतीय नागरिक है?)	:	भारतीय
यदि विदेश है तो मूल देश	:	
5. सम्पादक का नाम	:	गीता उप्रेती
(क्या भारतीय नागरिक है?)	:	भारतीय
यदि विदेश है तो मूल देश	:	
पता	:	पिघलता हिमालय, जे.के.पुरम्, सेक्टर-डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)
6. उक्त व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों, तथा जो पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	:	

मैं श्रीमती गीता उप्रेती एतद् द्वारा यह घोषणा करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक- 26.2.2023 ह0/श्रीमती गीता उप्रेती
प्रकाशक के हस्ताक्षर

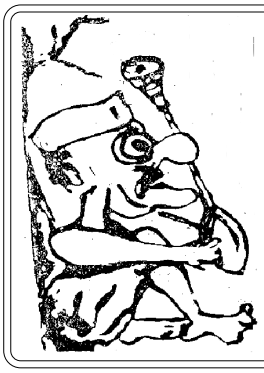

फसक

दाज्यू, बबंडर और लफंदर लगा रहने वाला ठैरा

कलजुग में लोढ्योव-मुस्योव होती रहती है बल

दाज्यू, दुनिया अपने हिसाब से घूम रही होगी लेकिन हमें लगा रहा है बहुत तेजी से गोला घूम रहा है। क्या बताएं.....बीमारी बहुत तरह की होने लगी है। बच्चे भी रोगों की जकड़ में हैं। बबंडर और लफंदर लगा रहने वाला ठैरा। किसानों का दिल्ली पर प्रदर्शन.....। बऽबो, पूर्व विधायक कुंवर प्रणव चैम्पियन के सुरक्षा कर्मी ने डालनवाला थाले में मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है- 'चैम्पियन ने मारपीट की। पहले भी अभद्रता कर चुके हैं।' दाज्यू, राजा-रानी की कहानी बहुत सुनी हैं लेकिन देश आजादी के 75 साल बाद भी कुंवर-महारानी सुनकर.....। अब कहें भी तो क्या कहें? प्रणव के बहुत मामले चल रहे हैं।

एसओजी ने बनबसा में 26 किलो चरस के साथ दो आरोपियों को हिरासत में लिया। बदायूं के विशाल गुप्ता और वीरेश गुप्ता से पकड़ी गई चरस की कीमत 50 लाख आंकी जा रही है। दाज्यू, पास पड़ोस नेपाल से चरस यूपी ले जा रहे थे बल। उधर रामनगर पुलिस ने भी पीरुमदारा में वाहन चैकिंग में 40 किलो से अधिक गांजे के साथ एक आरोपी को पकड़ लिया। कलजुग में लोढ्योव-मुस्योव होती रहती है बल।

पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत कह रहे हैं- 'मुझे जेल जाने का बिल्कुल डर नहीं है। जिन्दगी भर सर पर कफन बांधकर राजनीति की है।' दाज्यू, हरक दा का भी अपने समय में जलबा रहा है। मार झमाझम आर्डर हो जाते थे बल। एकतरफा लाइन मिलाने में माहिर इतनी जल्दी अनार बम की तरह जलेंगे किसी ने भी नहीं सोचा था।

दाज्यू, काशीपुर में तो गजब ही हो रहा है। कभी मास्टर-मस्टरी का झगड़ा, कभी प्रबन्धक-प्रोफेसर का झगड़ा। अब सुनने में आ रहा है सिरफिरे ने ट्यूशन से घर आ रही छात्रा पर पाटल से हमला कर दिया। जब पुलिस ने हमलावर को पकड़ा तो पता चला कि उसने एकतरफा प्यार में घटना को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी के घर पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलवाया, जिसमें घर का छज्जा और टीन शेड ढहा दिया। पुलिस-प्रशासन इसे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बता रहा है। काशीपुर में ही विजिलेंस ने रिश्वत लेते प्रधानाध्यापक और शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। प्रधानाध्यापक पर लगे आरोपों से ग्रामीण आहत दिखाई दिये। वह इसे किसी की साजिश मान रहे हैं। भगवान जाने काशीपुर की किसकी नजर लग चुकी है। दूसरी ओर रुद्रपुर में भाई के प्रेम प्रसंग का खामियाजा पूर्व पार्षद को भुगतना पड़ा। प्रकरण को पैसे देकर निपटाने की बात पर लड़की पक्ष भड़क गया। फिर क्या होना था, हाथापाई आम बात ठैरी। दाज्यू, हमें तो नये विश्वविद्यालय पर लाड़-प्यार आ रहा है। एसएसजे विश्वविद्यालय की अंकतालिका में छात्रा को 100 में से 101 नम्बर दे दिये बल। विश्वविद्यालय को जल्द परिणाम जारी करने पर पुरस्कार भी मिला था। दाज्यू, नया विश्वविद्यालय है और इसके परिसर भी घोषित हो चुके हैं लेकिन.....क्या कहें क्या न कहें। सबसे भली चुप।

पाटी ब्लाक में प्रधान पुत्र की चाकू गोदकर हत्या कर दी। दो युवकों के विवाद में चाकूबाजी ने अशान्ति कर दी। पाटी में आये दिन होने वाले गड़बड़ से जनता भी परेशान हो चुकी है। दाज्यू, सरकार को भी एक राउण्ड यहाँ पर विचार करना चाहिये। बांकी सब ठीक है। पहाड़ में शराब की गुणवत्ता बढ़ाने को प्लांट लगेंगे बल। सरकार का मानना है इससे स्थानीय उद्यमियों को लाभ होगा।

दाज्यू, महंगाई कौन पूछ रहा है, सबको अप्टूडेट चाहिए बल। जागेश्वर में पूजा की दक्षिणा भी महंगी हो गई है। पुजारियों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए समिति अध्यक्ष व डीएम से मंजूरी कर पूजा का नया शुल्क लागू होना ही है। दाज्यू, जब शराब-सेन्ट-पीजा-बर्गर महंगा हो गया है तो पूजा की धूपबत्ती भी तो महंगी होगी ही।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

बागेश्वर भोटिया....

प्रथम पृष्ठ का शेष

नामक स्थान पर भोटिया पड़ाव आदि काल से चला आ रहा है। इसी कारण शासन द्वारा भी उक्त स्थल पर जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति के अनुरोध पर शासकीय अनुदान देकर विपणन केन्द्र स्थापित किया गया है।

केन्द्रीय शौका संगठन के अध्यक्ष यतेन्द्र सिंह पांगती ने बताया है कि ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जोहार सांस्कृतिक एवं सामाजिक समिति बनखोला बागेश्वर को 2005 में जिला अधिकारी बागेश्वर द्वारा निर्धारित शर्तों के आधार पर आवंटित भवन सरस विपणन केन्द्र, जिसको 6 फरवरी 2024 को पुलिस प्रशासन के द्वारा खण्ड विकास अधिकारी के 2 नोटिस के बाद बेदखल कर दिया था। जो विधि सम्मत नहीं पाया गया।

1- नोटिस में खण्ड विकास अधिकारी द्वारा जिस शासनादेश का हवाला दिया था वह पड़ाव की जमीन जो 30/40 वर्षों से स्वास्थ्य विभाग के नाम से हस्तान्तरित है उस जमीन मध्ये बची हुई पड़ाव, जिसमें सरस विपणन केन्द्र भवन बनाया गया है

उसको ग्राम्य विकास विभाग को भवन बनने से पूर्व भूमि हस्तान्तरण सम्बन्धी शासनादेश का हवाला दिया गया है जिसका समिति को आवंटित भवन खाली कराने के बारे में किसी प्रकार का कोई भी सम्बन्ध नहीं है।

2- 30 जून 2014 में विकास खण्ड द्वारा सरस भवन को फर्जी तौर पर हस्तान्तरित दिखाया गया है। इसलिए दिनांक 13 फरवरी 24 को एफआईआर करवा दिया गया है।

इस प्रकार अभिलेखों के आधार पर भूमि स्वास्थ्य विभाग के नाम पर है व भवन ग्राम्य विकास का और भवन जोहार समिति के नाम से आवंटित है जो नियम के विपरीत पाया गया।

अतः उक्त के आधार पर समिति केवल सरस भवन पुनः प्राप्त करने के लिए हाईकोर्ट गये हैं अभी पड़ाव की जमीन के बारे में कुछ नहीं कर रहे है क्योंकि उसमें किई बातें हैं उस बारे में लम्बे समय तक जांच पड़ताल के बाद ही कुछ कर पाएंगे जिसमें सभी के सहयोग से सम्भव हो सकेगा। दिनांक 13 फरवरी 24 को हाईकोर्ट में रिट फाइल हो गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

महान अन्वेषक

पं. नैन सिंह रावत (मिलम्वाल)

जगदीश सिंह बृजवाल

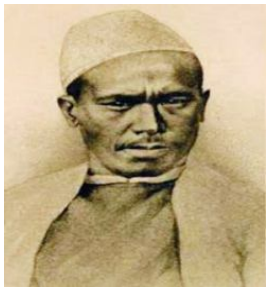

भारत में ब्रिटिश शासन काल तथा उन्नीसवीं शताब्दी में हिमालय के पार तिब्बत में गोरे अंग्रेजों के लिए निषिद्ध भी था। तिब्बत के ऊन, सोना, सुहागा, खनिज सम्पदा आदि से भी अंग्रेज आकषित थे। जिससे तिब्बत का अन्वेषण, मानचित्र संकल्पना की कार्य योजना बनाकर पूरा करने का कार्य जोहार घाटी के रावत बन्धुओं को सौंपा गया। जिसमें महान अन्वेषक पंडित नैन सिंह रावत(मिलम्वाल) ने अपना सटीक कठीन अन्वेषण करके अपना नाम भी उस विश्व अन्वेषको के साथ स्वर्ण अक्षरों से लिखवा दिया जो सदैव देदिप्यमान नक्षत्र की भांति चमकता रहेगा। जिनकी ख्याति सम्पूर्ण विश्व में 'द पंडित' के नाम से फैली है।

पंडित नैन सिंह रावत ने अपने जीवन काल के 20 वर्ष अपने कठिन अन्वेषण कार्य में लगाकर उस मुकाम को हासिल किया जिससे आज हम विश्व के उन महान अन्वेषक, खोजी व्यक्ति क्रिस्टाफेर कोलम्बस, वास्को- द-गामा,मार्कोपोलो फ्रांसबर्नियर, इब्नब तूता, फाह्यान, ह्वेनसांग से तुलना करेंगे तो अतिशयोक्ति नहीं कहा जा सकता है।

पं नैन सिंह का जन्म 21 अक्टूबर सन् 1830 को मुनस्यारी क्षेत्र के ग्राम भटकूरा तहसील मुनस्यारी में हुआ था। वे कुशाग्र बुद्धि, चतुर व्यक्ति थे। पिता का नाम अमर सिंह रावत जिसे लोग उपनाम लाटा से भी जानते थे। प्रारम्भिक शिक्षा अपने पैतृक गाँव मिलम में हुआ था अपने व्यापारिक कारोबार के चलते उच्च शिक्षा प्राप्त न कर सका। तब पिता की माली हालत भी अच्छी न रहीं सन् 1863 में वर्नाक्यूलर स्कूल मिलम में अध्यापन कार्य करने लगे थे। यही से इन्हें और चचेरे भाई मानी रावत के साथ सर्वेक्षण प्रशिक्षण हेतु देहरादून सर्वे आफ इंडिया कार्यालय बुलाया गया था।

ब्रिटिश सरकार की नजर तिब्बत खनिज सम्पदा सोना, सुहागा, नमक, ऊन आदि चीजों लिए लालायित थी। तिब्बत का अन्वेषण करना महत्वपूर्ण हो गया। 1861 में मांटोगोमरी की कार्ययोजना,किसी भारत-तिब्बत व्यापार से जुड़े लोगों का चयन करना उपयुक्त समझा। जिसमें रावतबन्धु ही उपयुक्त समझे गये। पहले मानी व नैन सिंह बाद में किशन सिंह रावत को भी देहरादून स्थित सर्वे आफ इंडिया कार्यालय बुलाया गया।

1863 में नैन सिंह रावत तथा उनके भाई मानी रावत को देहरादून बुलाकर सुपरिटेंडेंट कर्नल जेटी वाकर ने ग्रेट ट्रिग्नोमेट्रीकल ल ओवजर्वेशन का प्रशिक्षण दिया गया जिससे भारत के बाहर कार्य करने में सक्षम हो सके। 1855-56 में तिब्बत का अन्वेषण करने से पूर्व नैन सिंह रावत व मानी रावत ने श्याघइटवाइट बन्धुओं के साथ द्वी भाषिये के रूप में तुर्किस्तान की यात्र भी की थी. तथा चुम्बकीय सर्वेक्षण का अनुभव प्राप्त कर लिया था। नैन सिंह रावत का अन्वषेक के रूप में यात्रा सन् 1865 में नेपाल -ल्हासा-मानसरोवर से की। इसमें 1200 मील पैदल यात्रा किया तथा जगह-जगह के अक्षांश, वायुदाब, समुद्र तल से ऊँचाई भी ज्ञात करते रहे थे। साथ ही जगह-जगह सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनैतिक स्थिति को भी अपनी डायरी में उतारते रहे। 21 स्थानों का अक्षांश 23 स्थान का सिन्धु तल से ऊँचाई ज्ञात की। सैक्सटन्ट की सहायता से ल्हासा की ऊँचाई 11699 निर्धारित किया। किसी भी विदेशीयों को ऐसे कार्य करने की अनुमति नहीं थी। जिससे नैन सिंह रावत ने छदम भेष में कार्य किया। इस यात्रा की समाप्ति 21 जून ऊटाधूरा, मिलम से 1966 में देहरादून पहुँचे।

पं नैन सिंह की महत्वपूर्ण यात्रा थोकजुलंग स्वर्ण क्षेत्र 1867 में अपने भाई मानी तथा कल्याण सिंह रावत के साथ बद्रीनाथ घाटी निती माणा से किया गया। यह 19 माह का महत्वपूर्ण अन्वेषण कार्य था। किन्तु गोवा तरजम से थोकजुलुंग जाने के लिए दल रोक दिया गया। नैन सिंह व्यापारी बनकर यात्रा करते रहे, उनकी वाकपटुता, होशियारी से केवल दल से 5 लोगों को जाने की अनुमति मिल गई। कल्याण सिंह व मानी ने अलग स्थानों का सर्वेक्षण किया। जिसमें 18000 मील का सर्वेक्षण किया गया। नैन सिंह रावत ने थोकजुलुंग क्षेत्र का सर्वेक्षण कर स्थिति 32.24अक्षांश तथा समुद्र तल से ऊँचाई 14500 फिट दिखाया। 1867 के अन्त में तीनों रावत अपने-अपने रास्ते सर्वे आफ इंडिया कार्यालय देहरादून पहुँचे थे। स्वर्ण क्षेत्र की इस यात्रा के विषय में 12 अप्रैल 1869 को रॉयल ज्योग्राफिकल सोसायटी मान्टोगोमरी ने पढ़ कर सुनाया। यह नैन सिंह का वैज्ञानिक अंकन की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण था।

शिमला-लेह यात्रा विवरण डायरी के अक्षरों के धुंधले, अस्पष्टता से उल्लेख न हो पाया था। नैन सिंह के चार यात्राओं में से तीन डायरी को उल्लेखित किया गया है। 1873 में लद्दाख से लौटने के पश्चात 15 जुलाई 1874 को अन्तिम यात्रा लेह-ल्हासा-मानसरोवर रहा इस यात्रा में छदम भेष लामा वनकर किया था जगह का अक्षांश, वायुदाब, ऊँचाई ज्ञात करते रहते थे 18 नवम्बर को गुप्त रूप से ल्हासा में प्रवेश कर लिया था।यही से 1 मार्च 1975 में आसाम तथा 11मार्च 1975 को 19 माह के बाद कलकत्ता पहुँचा था अन्तिम यात्रा अति कष्टप्रद रहा था। पं नैन सिंह रावत ने सर्वेक्षण का कार्य छदम भेष का सहारा लेकर किया कभी नौकर तो कभी व्यापारी बनकर। लेह से आसाम यात्रा लामा के भेष में किया। चलते समय 100 दाने मनका का नाप दूरी ज्ञात करने में करते थे। आवश्यक पत्रों को प्रार्थना चक्र के अन्दर छिपा देते थे। उन्होंने लाखों मील पैदल अपने नपे-तुले कदमों से नाप दिया। उनके क़दम 33 इंच का होता था। नैन द्वारा लिखित तीन डायरी का उल्लेखित विवरण उन्हें महान अन्वेषक होने का प्रमाण देता है।

ब्रिटिश सरकार ने पं. नैन सिंह रावत को अनेकों-अनेक पुरस्कारों से अलंकृत किया है। 1877 में रॉयल ज्योग्राफिकल सोसायटी ऑफ लन्दन द्वारा अभिभावक स्वर्ण पदक प्रदान किया गया है। लार्ड सेल्सबरी के वायसराय से संस्तुति के कारण 1000/- रू आय की जागीर रुहेलखण्ड मुरादाबाद के पास गाँव को दिया गया था। ब्रिटिश शासन ने कम्पनियन ऑफ इण्डियन प्रीमियर के पद से नवाजा गया तथा एक स्वर्ण घड़ी भी भेंट की। 'बिक्टोरिया पदक' यह सम्मान किसी भी भूगोल वेत्ता को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है इस सम्मान के लिए इंग्लैंड में उपस्थित न होने के कारण कर्नल मूल द्वारा प्राप्त किया। जिसमें नैन सिंह के विस्तृत यात्राओं का उल्लेख किया गया। लन्दन केन्सिगटन स्थिति रॉयल ज्योग्राफिकल सोसायटी के प्रवेश द्वार पर प्रदत्त मेडल में अलंकृत विभूतियों के साथ नैन सिंह रावत का नाम भी अंकित है जर्मन बन्धू नैन सिंह रावत जैसे व्यक्ति को खोना नहीं चाहते थे वे अपने साथ उसे यूरोप ले जा रहे थे किन्तु नैन का अपना समाज, पहाड़ प्रेम तथा भाई मानी के विरोध के कारण रावलपिंडी से वापस लौटना पड़ा।

पंडित नैन सिंह रावत के अत्यधिक यात्रा करने के कारण आंख की ज्योति क्षीर्ण हो गई तथा पाचन तंत्र भी खराब हो जाने के कारण सिर्फ 62 वर्ष की उम्र में सन् 1882 को मुरादाबाद के पास अपनी जागीर के देख-रेख करते अचानक हृदय गति रुक जाने से वे सदैव के लिए दुनिया से ओझल हो गये। उनके मृत्यु के विषय में कुछ लोग 1892 की भी अंकना भी करते हैं।

जोहार घाटी के एक छोटे से शौका जनजाति समुदाय में विश्व प्रसिद्ध अन्वेषक पंडित नैन लसह रावत का जन्म लेना समाज के लिए अति गौरव का विषय है। अवश्य हम अपने समाज में ऐसे महान विभूति को पाकर धन्य समझते हैं। जिसने तिब्बत का मानचित्र, भौगोलिक स्थितियों को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत किया। ऐसे महान व्यक्ति को कोटि-कोटि नमन करते हैं।

बुरांश

ऐ गैछो बसन्त ऋतु, धरती पन श्रृंगार।
म्यर पहाड़ा जंगल में, आई रैछ बहार।।
डाना उँचा पहाड़ का, छाजि री कासा स्वान।
कती मेहला खिलि रई, कतो बुरांश नमान।।
राज रूख परदेश को, द्याप्तन क छ फूल।
झाड़ीदारा बोटपन, लाल सफेदा फूल।।
नाना चुसनी मौ कनी, भौंरों चलि री गीत।
चहनी क्वे शरवत बणै, भूख बढ़ौनी मीत।।
दिला मरीजों सुणि लियो, अमरित तुमहूँ यार।
निक है जाँ खाँसी जरा, करिया तुम ले प्यार।।
पीलिया बसासीर हो, अर जोड़ों में पीड़।
बगेट तैको काम को, झन भुलिया य क्वीड़।।
काम औंछ बुढ़ हड्ड ले, औंसि कशी को बीन।
आम् जगाओ हयून में, कसि भलि ऐंछो नीन।।
लाल पिछौड़ी पैरि रै, धरती माँ क मिजाज।
ब्योली बणी छाजि रयी, कतुक रँगिल त आज।।
जेली काड़ा जैम ले, अखद गुणी भरपूर।
स्यत बुरांश में जहर छू, तै बै रैया दूर।।
किड़ मारूं त पेटपना, रूकनी खूना दस्त।
को छ तै ज जंगव में, कस है रौ मस्त।।

-श्याम सिंह कुटौला
कुटौला निवास, ढूंगाधारा, अल्मोड़ा

ज्योतिष की बातें - 167

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह मंगल उच्चराशि मकर में, शनि मूल त्रिकोणराशि कुम्भ में, गुरु और शुक्र मित्रराशि मेष और मकर में क्रमशः, बुध समराशि कुम्भ में और सूर्य शत्रुराशि कुम्भ में यथावत् गोचर करते रहेंगे। चन्द्रमा इस सप्ताह कन्या, तुला और वृश्चिक राशि में क्रमशः विचरण करेगा।

इस स्थायी स्तम्भ के अन्तर्गत प्रति सप्ताह ग्रह विशेष के राशि परिवर्तन पर उसका गोचर फल निरूपित किया जाता है। उस समय अन्य किसी भी बात पर विचार नहीं किया जाता है। इसलिए यहाँ पर गोचरफल स्थूल रूप से ही सही होता है। व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, नवांश कुण्डली, महादशा, अन्तर्दशा आदि पर निर्भर करता है। उसके लिए व्यक्तिगत रूप से ज्योतिषी से सम्पर्क करना चाहिए।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 58

नौकरी के लिए अफरातफरी

आजकल सभी युवा उच्चशिक्षित हैं और सभी सरकारी नौकरी की तलाश में रहते हैं । 1. एक लड़का किसी पद के लिए उत्तर प्रदेश से भी फार्म भरता है, मध्य प्रदेश से भी भरता है और कर्नाटक, आंध्र प्रदेश से भी फार्म भर देता है। जिस भी राज्य से वैकेंसी निकलती है वहाँ के लिए फार्म भर देता है। 2. जब चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की कोई विज्ञप्ति निकलती है तो उसके लिए पद से हजारों गुना आवेदन पत्र पहुँचते हैं, जिन में आठवीं पास भी होते हैं, ग्रेजुएट भी होते हैं, पोस्टग्रेजुएट भी होते हैं। इंजीनियर, बीटेक, एमटेक भी होते हैं। 3. एक लड़का जो उच्चशिक्षित है वह प्रशासनिक अधिकारी का तो एग्जाम देता ही है, टीचर बनने के लिए भी तैयारी करता है, बैंक में क्लर्क बनने के लिए भी जोड़तोड़ करता है और पुलिस में भर्ती होने के लिए दौड़ भी लगाता है। इस बात से अब कोई मतलब नहीं रहा कि किस पद के लिए शैक्षिक अर्हता क्या है। 4. प्रायः प्रत्येक रविवार को कोई न कोई प्रतियोगी परीक्षा कहीं न कहीं होती ही रहती है। परीक्षा केन्द्र भी वही, अभ्यर्थी भी वही और पर्यवेक्षक भी वही और प्रश्नपत्र भी लगभग वही एक जैसा रहता है। हर बार केवल पद का नाम बदला हुआ रहता है। 5. परिणाम यह होता है कि किसी-किसी लड़के को तो एकसाथ कई नौकरियाँ मिल जाती हैं और अधिकांश लड़कों को एक भी नौकरी नहीं मिलती है। जिसको कई नौकरियाँ मिल जाती हैं वह एक ही पर ज्वाइन करता है शेष पद खाली रह जाते हैं। 6. इसके साथ यह भी सत्य है कि जो लड़के कोई न कोई नौकरी कर रहे होते हैं वे भी उससे बेहतर नौकरी के लिए निरन्तर परीक्षाएँ देते रहते हैं और अफरातफरी को बढ़ाते रहते हैं।

उपरोक्त छः प्रकार की इस अफरा तफरी को कम करने के लिए मेरे विचार से सभी पदों का विज्ञापन व्यापक रूप से पूरे देश में नहीं होना चाहिए। चतुर्थ श्रेणी के पदों की विज्ञप्ति स्थानीय स्तर पर ही होनी चाहिए, तृतीय श्रेणी के पदों का विज्ञापन जिला अथवा मण्डल स्तर पर होना चाहिए, द्वितीय श्रेणी के पदों का विज्ञापन राज्य स्तर पर और प्रथम श्रेणी अर्थात् सर्वोच्च पदों के भरने के लिए विज्ञापन राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए ।

-सरल

रामनगर में बसंतोत्सव पर गाथाएं

रामनगर। प्रगतिशील सांस्कृतिक पर्वतीय समिति के रंगमंच पर राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड की पौराणिक लोक गाथाओं का मंचन देखने को मिला। कल्पेश्वर मंच उर्गम घाटी चमोली, जनकल्याण समिति बागेश्वर प्रयोगांक नैनीताल सहित टीमों व स्थानीय कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। सांस्कृतिक जुलूस में विद्यालयी बच्चों व कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। विधायक दीवान सिंह बिष्ट व भाजपा नगर अध्यक्ष मदन जोशी ने कार्यम का शुभारम्भ किया। निर्णायकों में श्रीश डोभाल, कुसुम भट्ट, नरेश बिष्ट रहे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रामनगर-चौखुटिया रेल लाइन की मांग

चौखुटिया। गेवाड़ विकास समिति ने सीएम को ज्ञापन सौंपते हुए रामनगर-चौखुटिया रेल लाइन निर्माण और क्षेत्र की विभन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की है। समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य अशोक कुमार, प्रधान दिनेश मनराल के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया।

सोबला पुल की मांग पर धरना

धारचूला। चीन सीमा को जोड़ने वाले तवाघाट-सोबला-ढाकर मार्ग पर दर के पास बदहाल सड़क के सुधारीकरण, सोबला पुल की मरम्मत की मांग सहित अन्य मालों को लेकर दारमा वासियों ने तहसील परिसर में क्रमिक अनशन शुरु कर दिया है। कहा है जब कि उनकी मांगें नहीं मानी जाती यह अनशन जारी रहेगा।

हंसेश्वर मठ में माघ महोत्सव

जौलजीवी। हंसेश्वर मठ पर 24वें माघ महोत्सव का शुभारम्भ डीडीहाट नगर पालिका की निवर्तमान अध्यक्ष कमला चुफाल ने किया। मठाधीश महन्त परमेश्वर गिरि ने बताया कि सीएम से दूरभाष पर वार्ता हुई। पं.पुष्करराज ओझा ने मुख्य यजमान बहादुर सिंह धामी, श्रीमती जलकी धामी के हाथों गणेश पूजा कर देवी भागवत आरम्भ किया। इस मौके पर कमान सिंह कठायत, अशोक पाल, त्रिलोक भट्ट सहित तमाम लोग थे।

आवंलाघाट मोटर पुल का शिलान्यास

गंगोलीहाट। आवंलाघाट से रामगंगा नदी पर मोटर पुल निर्माण चली आ रही मांग पर अब खुशी है कि रामगंगा में करीब 36 मीटर लम्बा मोटर पुल स्वीकृति के बाद विधायक फकीर राम ने इसका शिलान्यास किया है। इस पुल के बनने से जिला मुख्यालय की दूरी 25 किमी कम हो जायेगी।

काशीपुर में चैती मेले की तैयारी

काशीपुर। चैती मेला 9 अप्रैल से शुरू होगा लेकिन इसकी तैयारियां आरम्भ हो चुकी हैं। रुद्रपुर में डीएम उदयराज सिंह अधिकारियों के साथ बैठक की और लोनिवि अधिकारियों से मेला क्षेत्र के सभी मार्गों को गुड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर आयुक्त को मेला क्षेत्र में पर्याप्त कूड़ादान की व्यवस्था करने, नगर निगम को मोबाइल शौचालय की व्यवस्था, सिंचाई विभाग को नहरों की सफाई, एसडीएम को सुरक्षा दृष्टि से सीसीटीवी कैमरों के लिये निर्देश दिये।

सात हाईवे का शिलान्यास

टनकपुर। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने समारोह में कुमाऊँ के सात हाईवे का शिलान्यास किया।

हल्द्वानी : चौड़ीकरण की जद में आ रहे व्यापारी प्रत्यावेदन दें

नैनीताल। हाईकोर्ट ने हल्द्वानी शहर के सौन्दर्यीकरण के लिए सड़क को चौड़ीकरण की जद में आ रही 67 दुकानों के व्यापारियों की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ऋतु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खण्डपीठ ने अतिक्रमण की जद में आ रहे 67 लोगों को अपना प्रत्यावेदन सम्बन्धित विभाग को देने को कहा है।

हल्द्वानी की नया सवेरा संस्था ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि मंगल पड़ाव, महिला अस्पताल, कालू सांई मन्दिर, बेस अस्पताल से रोडवेज तक की सड़क अति संकरी है। इसकी वजह से आए दिन लोगों सहित सरकारी विभाग, स्कूली छात्रों व अन्य यात्रियों को हर रोज जाम का सामना करना पड़ता है। प्रशासन इन सड़कों के चौड़ीकरण में जुटा है। निजी सम्पत्तियों पर राजनैतिक दवाब के चलते अभी तक अब प्रशासन कार्रवाई नहीं की है। यह सड़क चौड़ीकरण में बाधक बने हुए हैं।

गंगोलीहाट व्यापार संघ चुनाव तैयारी

गंगोलीहाट। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल गंगोलीहाट इकाई की एक बैठक हुई जिसमें संरक्षक मण्डल ने गंगोलीहाट नगर इकाई के व्यापार संघ चुनाव की घोषणा की। जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि व्यापार संघ के आम चुनाव 9 मार्च 2024 को कराए जाएंगे। नए चुनाव कराए जाने के लिए किशन भण्डारी को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया। साथ ही सदस्यता अभियान भी चलाया गया। 26 फरवरी को सभी पदों के लिए नामांकन के बाद 27 को नामांकनों की जाँच एवं नाम वापसी होनी है। 9 मार्च को आम चुनाव कराए जाएंगे, उसी दिन चुनाव परिणाम घोषित होंगे।

बैठक में व्यापारी नेता प्रतीप कुमार पन्त, हरगोविन्द रावल, संरक्षक किशन उप्रेती, रणजीत सिंह बोहरा, चन्द्रशेखर पन्त, भगवत रावल, प्रदीप कोठारी, निवर्तमान अध्यक्ष हरीश सिंह धानिक, निवर्तमान कोषाध्यक्ष सुरेश उप्रेती आदि मौजूद थे।

दूसरी ओर नगर निकाय चुनाव के लिये नामों की चर्चा पहले की तरह हो रही है और गणित लगाए जा रहे हैं कि किस विधि कौन चैयरमैन बन सकता है।

पर्यटकों के लिये एडवेंचर्स बाइकिंग

रामनगर। रामनगर वन प्रभाग अपने सिटी फारेस्ट की कामयाबी के बाद पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये नगर वन में एडवेंचर्स गतिविधियों को बढ़ाने जा रहा है। इसमें पर्यटकों के लिये एडवेंचर्स बाइकिंग भी एक है।

कार्बेट पार्क से लगे रामनगर वन प्रभाग के अन्तर्गत पड़ने वाले अपर कोसी वन ब्लाक कोसी बैराज के समीप 17 हेक्टेयार भूमि पर पर्यटकों के लिये सुन्दर जगह है। इसमें बाल वाटिका, तितली वाटिका, गुलाब वाटिका, नवग्रह वाटिका, पंचवटी वाटिका,, जन स्वास्थ्य वाटिका, मियवाकि वाटिका, रुद्राक्ष वाटिका, त्रिफला वाटिका बनाई गई है। अब यहाँ पर्यटकों के लिये एडवेंचर्स के रूप में बाइकिंग का भी सफर शुरू होने जा रहा है। डीएफओ दिगंथ नायक ने बताया कि रामनगर वन प्रभाग के अन्तर्गत पड़ने वाले सिटी फारेस्ट जो हल्द्वानी रामनगर मार्ग पर नए वायपास पुल के पास है, एडवेंचर्स पार्क खोलने का प्रस्ताव बना चुके हैं।

परिक्रमा

धारचूला में बाहरी लोगों की खिलाफत

धारचूला। सीमान्त क्षेत्र में बाहरी लोगों के खिलाफ लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रदर्शन करते हुए ऐलान किया कि बाहरी लोगों को दुकान और मकान किराये पर नहीं देंगे।

बताते चलें कि विगत दिनों क्ष्त्रेत्र की दो नाबालिक छात्राओं को समुदाय विशेष के युवक भगाकर ले गए थे। जिसे लेकर धारचूला सहित कई जगह प्रदर्शन हुए। पुलिस ने नाबालिकों को बरामद करने के साथ ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

इस घटना के समय से ही जगह-जगह प्रदर्शन होने लगे थे और व्यापार मण्डल ने भी खुलकर बाहरी लोगों को हटाने की बात कही। बलुवाकोट, जौलजीवी सहित कई जगह प्रदर्शनकारियों ने इनरलाइन की मांग को लेकर नारेबाजी की। अब सीमान्त वासियों ने फिर से आन्दोलन छेड़ दिया है। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने नगर में जुलूस निकाला। जनसभा में ब्लकप्रमुख धनसिंह धामी, पूर्व चैयरमैन अशोक नविवाल, महेन्द्र बुदियाल, कृष्णा गर्ब्याल ने कहा कि समाज में बाहरी दखल बर्दाश्त नहीं है।

नईटिहरी में भी विशाल स्वाभिमान रैली

टिहरी। मूल निवास भूकानून समन्वय संघर्ष समिति के तत्वावधान में नई टिहरी में विशाल स्वाभिमान रैली निकाली गई। विभिन्न संगठनों, राजनैश्तक दलों व स्थानीय लोगों ने रैली में सरकार को चेताते हुए नारेबाजी की। जबकि भजपा संगठन ने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार जनभावना के अनुरूप कार्य कर रही है।

नई टिहरी के सुमन पार्क में प्रदर्शन कारियों की भीड़ सुबह से ही जुटने लगी थी। स्थानीय लोगों के अलावा अन्य जनपदों से भी लोग स्वाभिमान रैली में भागीदारी के लिये पहुँचे थे। उन्होंने कहा कि अपने हक और अपनी जमीन के लिये कोई समझौता नहीं किया जायेगा। दूसरी ओर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने कहा कि सशक्त भूकानून को लेकर सीएम धामी पहले ही कमेटी बनाकर काम शुरू कर चुके हैं। जन भावनाओं के अनुरूप कार्य हो रहे हैं।

बन्दरों का आतंक, बैजनाथ में प्रदर्शन

बागेश्वर। 'बन्दर भगाओ खेती बचाओ' जन अभियान के तहत बैजनाथ में सैकड़ों महिलाओं ने प्रदर्शन किया। अभियान के संयोजक एडवोकेट डी.के. जोशी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक पखवाड़े के भीतर बन्दरों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे उग्र आन्दोलन को बाध्य होंगे। सिविल सोसाइटी के तत्वावधान में भकुनखोला के मैदान में आयोजित जनसभा में सात न्याय पंचायत और एक नगर पंचायत से सम्बन्धित शिकायतें दर्ज की। अभियान को जिला पंचायत उपाध्यक्ष नवीन परिहार और होटल ऐसोसिएशन अध्यक्ष बबलू नेगी ने समर्थन देते हुए शीघ्र बन्दरों की समस्या से निजात दिलाने की मांग की। संचालक हरीश जोशी ने किया। सभा में देवकीनन्दन जोशी, राजेन्द्र प्रसाद कत्यूरी, हेम चन्द्र पाण्डे, कृपाल दत्त लोहुमी, भोलादत्त तिवारी, दिवाकर तिवारी, गोपाल राम सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। बताते चलें कि कत्यूर घाटी खेती-किसानी के का गढ़ है लेकिन बन्दरों के आतंक से लोग परेशान हो चुके हैं।

कोटगाड़ी में सहस्त्र चण्डी महायज्ञ

पांखू। माँ भगवती कोटगाड़ी में दस दिवसीय सहस्त्र चण्डी महायज्ञ का विशाल आयोजन किया गया। कूर्मांचल आयोजन समिति के संयोजक मनोज कार्की सहित क्षेत्रवासियों ने इस आयोजन को भव्य बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों सहित दूर-दराज से श्रद्धालुओं ने भागीदारी की।

संपत्ति कर लगाने पर रानीखेत पालिका घेरी

रानीखेत। चिलियानौला रानीखेत नगर पालिका कार्यालय में व्यापार मण्डल के नेतृत्व में लगाये जाने जाने वाले सम्पत्ति कर का स्थानीय भवन स्वामियों ने नारेबाजी व घेराव कर विरोध किया। ज्ञापन में कहा कि जिस समय नगर पालिका परिषद का गठन हुआ था उस समय सरकार ने दस वर्षों तक करों में छूट की घोषणा की थी लेकिन अब 5 वर्ष के बाद ही सम्पत्ति कर लगाया जाना आम लोगों के साथ धोखा है।

पूर्णागिरी धाम सालभर लाइटों से जगमगाएगा

टनकपुर। पूर्णागिरी धाम अब स्ट्रीट लाइटों से सालभर जगमगाएगा। ककराली गेट से मुख्य मन्दिर तक चार करोड़ की लागत से स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएगी। पहले से सिर्फ मेले के दौरान यह व्यवस्था होती थी लेकिन सीएम की घोषणा के बाद यह तैयारी होने लगी है।

हेली सेवा से पर्यटन को बढ़ावा

हल्द्वानी। हल्द्वानी से पिथौरागढ़, मुनस्यारी, चम्पावत के लिये हेली सेवा शुरु होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। 'उड़े देश का आम नागरिक' (उड़ान) के अन्तर्गत हल्द्वानी से से यह सेवा शुरू की गई है। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) से एनओसी मिलने के बाद गौलापार में हेलीपोर्ट बनाया गया और इसके निरीक्षण के उपरान्त सेवा का शुभारम्भ कर दिया गया। अभी 7 सीटर हेलीसेवा शुरू की गई है। यह सेवा प्रति दिन दो बार संचालित की जायेगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

आपरेशन बनभूलपुरा..

प्रथम पृष्ठ का शेष

अन्य धन्धेबाजियों की ओर ले गई।

एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने हिंसा के मास्टरमाइंड मलिक को बताते हुए पुलिस टीमों के गठन की बात कही। इसके बाद अगले ही दिन दिल्ली से आरोपी मलिक को गिरफ्तारी की अफवाह उड़ने लगी। पकड़ के लिये नैनीताल और देहरादून पुलिस टीमों ने दिल्ली, यूपी, हरियाणा सहित कई जगह छापेमारी की। पुलिस को सूचना मिली थी कि उपद्रवी बरेली भी भागे हैं। मलिक के फोन लोकेसन न मिलने पर उसके विदेश भागने तक की आशंका जताई गई। माना जा रहा है कि वह अरब देशों में मौजूद अपने रिश्तेदारों के वहाँ पनाह पा सकता है। इसके बाद मलिक और उसके बेटे अब्दुल मोईद के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी हुआ। जाँच में पता चल रहा है कि अब्दुल मलिक अकूत सम्पत्ति का मालिक है। रेलवे के ए क्लास ठेकेदार मलिक जेसीबी शोरूम

कुर्की देख टूटने लगे वांटेड

उपद्रवियों की गिरफ्तारी लगातार

शहर में हर एक का सत्यापन होगा

के अलावा कई धन्धों में लिप्त हैं। उसकी चल-अचल बेनामी सम्पत्ति भी अथाह है।

इस बीच कुछ संगठनों कर्फ्यू मे हटाने की मांग भी की लेकिन प्रशासन छूट देने के साथ ही अपने तरीके से पूरी रणनीति बना रहा है। सोशल मीडिया पर अफवाह उड़ाने वालों की भी तलाश हो रही है। अर्द्धसैनिक बलों की निगरानी में बनभूलपुरा में इन दिनों सघन चैकिंग जारी है। हिंसा वाले दिन लूटे गये 7 तमंचों व 153 कारतूसों के साथ उपद्रवियों को पकड़ लिया है। डीएम वन्दना सिंह ने एक्सन लेते हुए थाना बनभूलपुरा के अन्तर्गत 127 लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। लगातार हो रही कार्रवाई में वाहन जलाने, पेट्रोल बम बनाने और पीएसी के जवान की बन्दूक से मैगजीन छीनने के आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

बताते चलें कि हल्द्वानी का बनभूलपुरा इलाका मुस्लिम बाहुल्य है और अधिकांश मजजूद, मेहनती लोग भी यहाँ रहते हैं। इसके अलावा कबाड़ का काम हो, लूटा का सामना हो, चोरी का सामान हो इस इलाके से बरामद होता रही है। हुनरमन्द लोगों के अलावा अनपढ़-बहकावे में आने वालों की संख्या ज्यादा है। यही कारण है राजनीति के तीर हमेशा से चलते रहे हैं। इन लोगों को घेरने और बेवकूफ बनाने की राजनीति का ही परिणाम है कि बिना सोचे समझे भीड़ बनाकर हंगामा करने के लिये जुटने वाले इस बार भी एकत्रित हो गये। बिना किसी बात को जाने सिर्फ उकसाने पर आगे आने वाले बच्चे-युवा-महिलाएं अब अपनी सफाई दे रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया है कि नगर निगम के अभिलेखों में मलिक का बगीचा नाम से कोई स्थान दर्ज नहीं है। उक्त स्थान कम्पनी बाग के नाम से जाना जाता है। बाग की 2 एकड़ से अधिक भूमि ही बची है। जहाँ मदरसा व मस्जिद बनाया गया था, उक्त भूमि भी 800 वर्ग मीटर थी। बताया जा रहा है कि बगीचे में जो मदरसा व मस्जिद थी सिर्फ नाम की ही थी। मलिक की इजाजत के बगैर कोई भी भूमिगत मस्जिद में नहीं जा सकता था। इबादत के लिये भी लोग अन्य मस्जिदों में जाते थे, यहाँ चैनल पर ताला लटका रहता था। इसकी आड़ में सरकारी जमीन कब्जाने की साजिश थी। नगर निगम ने हिंसा के के लिये मास्टरमाइण्ड मानते हुए अब्दुल मलिक को नुकसान की भरपाई के लिये 2.44 करोड़ रुपये वसूली का नोटिस भेजा। आरोप है कि इसने ही सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ है और 50 से 100 रुपये के स्टाम्प पर लोगों को जमीन बेचकर क्षेत्र की डेमोग्राफी बदल दी। आरोप है कि इसने ही लोगों को भड़काकर उपद्रव कराया था।

पुलिस जाँच के प्रारम्भिक चरण में पता चला है कि करीब 5 हजार लोग दंगे करने में शामिल थे। माना जा रहा है कि जाँच जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, दंगाइयों की संख्या में और बढ़ोत्तरी होगी। दंगाइयों को लग रहा था कि सरकारी अमला भय से बिना कार्यवाही के चला जायेगा। दंगाइयों ने गांधी नगर के सास्ते शहर की ओर रुख भी किया लेकिन गांधी नगर वासियों के विरोध से वह आगे नहीं बढ़ पाए। जबकि दंगाइयों के दूसरे गुट ने बनभूलपुरा थाने में उपद्रव किया। पुलिस ने हिंसा के फरार आरोपियों की सूची बरेली और मुरादाबाद पुलिस से भी साझा की। कोर्ट के आदेश के बाद साफ हो गया कि मलिक सहित 9 आरोपियों की सम्पत्ति कुर्क होगी। पुलिस ने बताया कि मलिक, उसका बड़ा बेटा अब्दुल मोईद और निवर्तमान पार्षद शकील अंसारी, वसीम उर्फ हप्पा, मौकिन सैफी, एजाज अहमद, तसलीम, जियाउल रहमान, रईस उर्फ दत्तू के फरार होने पर कोर्ट में रिपोर्ट पेश की थी। कोर्ट ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर धारा 83 के तहत इन आरोपियों की सम्पत्ति कुर्क करने के आदेश दिए। इनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किये और पुलिस ने इनके पोस्टर जारी करते हुए कुर्क की कार्रवाई की। इसके अलावा सख्ती करते हुए उपद्रव में नामजद अभियुक्त और उनके परिजनों के नाम गौला नदी में पंजीकृत वाहनों का पंजीकरण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। अब्दुल मलिक सहित अन्य के घर की कुर्की देख वांटेड टूटने लगे थे और 17 फरवरी को तीन वांटेड गिरफ्तार कर लिये गये। इस बीच आठ फरवरी को उपद्रव के दौरान घायल राजपुरा निवासी राजेश (35) की सुशीला तिवारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसके सिर पर पत्थर लगा था।

बनभूलपुरा आपरेशन के क्रम में डीएम वन्दना सिंह लगातार हल्द्वानी की गतिविधियों पर नज़र रखे हुए हैं। उन्होंने बैठक कर कहा कि पुलिस-प्रशासन अपना काम कर रहा है। एसपी सिटी प्रकाश चन्द्र ने कहा कि बनभूलपुरा के साथ ही शहर में हर एक का सत्यापन होगा।

यादें शेष

पहाड़ी नेता के रूप में हमेशा आगे रहे चुफाल

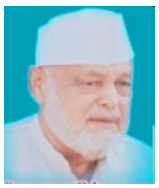

हल्द्वानी। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच के संस्थापक अध्यक्ष बलवन्त सिंह चुफाल का 10 फरवरी 2024 को मुखानी के एक अस्पताल में निधन हो गया। 78 वर्षीय मल्ली बमोरी सैनिक कालोनी निवासी चुफाल प्रोस्टेट की शिकायत पर अस्पताल में इलाज करा रहे थे। वह अपने पीछे पत्नी हेमा चुफाल, पुत्र इशान, पुत्री विनीता सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

पहाड़ी नेता के रूप में हमेशा आगे रहने वाले बलवन्त सिंह चुफाल का भोलापन और जिद्दीपन उनके ठेठ पहाड़ी होने की झलक था। किसी दौर में वह गौलापार क्षेत्र में अपनी दबंगता के लिये पहचाने गये और भाबर में पर्वतीय समाज को एकजुट करने के लिये उनका नेतृत्व मजबूत था। 1980 में जब पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की स्थापना हुई, चुफाल अग्रणीय थे। युवा जोश के साथ हर उम्र वर्ग के लोग जुड़ते चले गये। नैनीताल रोड स्थित कोआपरेटिव बैंक के पास एक जमीन पर थी जिसे खीम सिंह बिष्ट ने संस्था को दे दिया लेकिन प्रशासन का कहना था यह जमीन सरकारी है। तभी संस्था को जमीन के लिये आन्दोलन हुआ और हीरानगर की जमीन पर मंच स्थापित हुआ। इसके लिये 1982 में जेल भरो आन्दोलन भी हुआ। जब तक मंच का भवन नहीं बन गया, उसके कई वर्षों बाद तक भी उत्थान मंच का कार्यालय 'शक्ति प्रेस' (पिघलता हिमालय) के कार्यालय में ही बनाया गया। बलवन्त सिंह चुफाल एक ऐसा नाम रहा है जो निडर था और उत्पीड़न की घटना पर आगे खड़ा हो जाता। स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती के साथ उनका अथाह लगाव था। 'हल्द्वानी : स्मृतियों के झरोखे से' पुस्तक में इस बारे में काफी जानकारी मिलती है।

उत्तरायणी की शुरुआत के दौर में रामलीला मैदान हल्द्वानी में सभा को सम्बोधित करते हुए मंच के अध्यक्ष बलवन्त सिंह चुफाल, गाल में हाथ धरे बैठे हैं लोकगायक गोपालबाबू गोस्वामी, टेबल के सामने कागजात संभाल करते मंच के महामंत्री आनन्द बल्लभ उप्रेती।

हीरानगर में उत्तरायणी मेले को सम्बोधित करते बलवन्तसिंह चुफाल और दाएं सबसे पहले आनन्द बल्लभ उप्रेती

समाज उत्थान के लिए बलवन्त सिंह चुफाल का योगदान याद रहेगा

हल्द्वानी। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच, हीरानगर हल्द्वानी के संस्थापक अध्यक्ष बलवन्त सिंह चुफाल के निधन पर मंच के अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल ने इसे पर्वतीय समाज के लिए अपूणीय क्षति बताया। कहा कि चुफाल ने हल्द्वानी में पर्वतीय समाज को एक नई पहचान दी। उनके प्रभावशाली व्यक्तित्व के कारण लोग उन्हें कुमाऊँ का टाइगर भी कहते थे।

उत्थान मंच में आयोजित शोक सभा में सचिव देवेंद्र तोलिया ने कहा कि हीरानगर मंच के स्थल के लिए उन्होंने 1980 के दौर में बड़ा आन्दोलन किया, जिसका परिणाम सामने है।

इन्द्रमणि विचार मंच के सचिव जगमोहन रौतेला ने कहा कि 1988 में चुफाल कुछ सालों तक उक्राद में रह कर राज्य आन्दोलन में भी सक्रिय रहे। इन्द्रमणि बड़ोनी और जसवन्त सिंह बिष्ट के साथ दल के संरक्षक मण्डल में भी थे। कहा कि वे कभी हल्द्वानी के तेज-तर्रार व प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल थे। स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण पिछले लगभग एक दशक से उनकी सामाजिक गतिविधियां बेहद कम हो गई थी। इसके बाद भी वह हर साल उत्तरैणी कौतिक के उद्घाटन और फिर शोभायात्र के दिन 14 जनवरी को हर स्थिति में उसमें शामिल होते थे। यह उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शोकसभा में देवभूमि उद्योग व्यापार मण्डल के संस्थापक अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर बगड्वाल, यू.सी. जोशी, देवेन्द्र तोलिया, त्रिलोक बनोली, कैलाश जोशी, चन्द्रशेखर परगाई शोभा बिष्ट, पुष्पा सम्भल, यशपाल टम्टा, भगवान सिंह चुफाल, धर्म सिंह बिष्ट, लक्ष्मण लसह मेहरा, वृजमोहन बिष्ट, विमला सांगुड़ी, निर्मला जोशी, नीरज बगड्वाल, ऋतिक आर्य, मीमांसा आर्य, दया कर्नाटक, मधु सांगुड़ी, एनबी गुणवन्त, विपिन बिष्ट, भुवन जोशी, लीलाधर पाण्डे, भुवन तिवारी, पंकज सुयाल, हेम चन्द्र भट्ठ, पूरन चन्द्र भण्डारी आदि मौजूद रहे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय के बढ़ते कदमों के साथ-

राजरम्भा हार्डवेयर
अस्पताल लाइन
मुनस्यारी
गगन सिंह वृजवाल

विक्रम पाल
तल्ली बाजार
जौलजीवी

दिनेश वर्मा
तल्ली बाजार
जौलजीवी

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर
घर का सा
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत
शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)